AMOGHVARTA

ISSN : 2583-3189

हजारीबाग जिले में ग्रामीण–नगरीय जनसंख्या का वितरण व सामाजिक आर्थिक प्रभावः एक भौगोलिक अध्ययन

ORIGINAL ARTICLE

Author

डॉ. रंजीत कुमार दास
शोध निदेशक
विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर भूगोल विभाग
मार्खम कॉलेज ऑफ कामर्स
हजारीबाग, झारखण्ड, भारत

मनोज कुमार
शोधार्थी
सहायक प्राध्यापक, भूगोल विभाग
आदर्श कॉलेज राजधनवार
गिरिडीह, झारखण्ड, भारत

शोध सार

जनसांख्यिकीय मानव जनसंख्या का सांख्यिकी अध्ययन है, यह किसी प्रदेश के मानव के गतिशील आबादी को प्रदर्शित करता है। वास्तविक रूप में मानव की जनसंख्या को निरूपित करने का प्रारूप है जो समय और स्थान के साथ परिवर्तनशील है। ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या जनसांख्यिकीय के महत्वपूर्ण अंग हैं। हजारीबाग जिला 23036'42'' से 2403'44'' उत्तरी अक्षांश और 85019' से 85055'22'' पूर्वी देशांतर के बीच स्थित है। सन् 2011 के जनगणना आंकड़ों के आधार पर हजारीबाग जिले की कुल जनसंख्या 17,34,495 है जिसमें ग्रामीण जनसंख्या 1459188 एवं नगरीय जनसंख्या 3,75,307 है। इस जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 4313 वर्ग कि.मी. है। यह जिला उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल का मुख्यालय है। इस जिले का उच्चावच उबड़–खाबड़ है जिसमें पहाडियाँ, पठार एवं मैदानी भाग शामिल है। प्राकृतिक सौन्दर्य एवं वातावरण की शुद्धता इस जिले का मुख्य आकर्षण है। ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या का विभाजन मानवीय क्रियाकलाप पर आधारित है। कृषि जनसंख्या का महत्वपूर्ण जीवन–निर्वाह का आधार है। यहाँ की जैव–विविधता अपने आप में इस जिले की प्राचीन गाथा को निरूपित करते हैं। इस जिले मे औसत वर्षा 120 से.मी. होती है। कृषि के रूप में मुख्यतः चावल, मक्का व विभिन्न प्रकार की सब्जियों एवं औषधीय पौधों के विशेष उपयुक्त है। नगरीय जनसंख्या द्वितीय क्रियाकलापों में संलग्न है एवं विभिन्न निर्माण कार्यों में जुड़ी देखी जाती है। बढ़ती हुई जनसंख्या ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या की प्रमुख चुनौतियाँ है। ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या के समानुपातिक भिन्नता आय समानता, जीवन–स्तर, साक्षरता, रोजगार के अवसर व व्यवसायिक संरचना तथा जीवन की बुनियादी सुविधाओं की साम्यता से निर्धारित होती है। कृषि परम्परागत पद्धतियों का अनुसरण करता है वहीं औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप उद्योगों के अवसंरचना में समय के साथ बदलाव आवश्यक है। मुख्यतः इस क्षेत्र में लैटेराइट प्रकार की मृदा पाई जाती है जो मोटे अनाज व विभिन्न ऋतु–फसलों के उत्पाद हेतु उत्तरदायी है। विगत कुछ दशकों में जिले में कृषि व उद्योग–धंधों व रोजगार सृजन पर विशेष बल दिया गया है ताकि जनसांख्यिकीय के अंगों में विकास की गति परिलक्षित व प्रभावी स्वरूप निरूपित हो। अतः इस शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य जिले में ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या के बीच जीवन–स्तर, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यवसायिक संरचना, आर्थिक अवसर जैसे बुनियादी सेवाओं से अवगत होना है।

मुख्य शब्द

जैव–विविधता, जनसांख्यिकीय, रोजगार सृजन, मानवीय क्रियाकलाप, उच्चावच.

परिचय

जनसांख्यिकीय मानव जनसंख्या का सांख्यिकी अध्ययन है। यह किसी प्रदेश के गतिशील मानव आबादी को इंगित करता है। वास्तव में यह मानव की जनसंख्या को निरूपित करने वाला प्रारूप है। यह समय और स्थान के साथ परिवर्तनशील है। इसके अंतर्गत आयु, लिंग आय स्तर, जाति, प्रजाति, रोजगार, स्वामित्व, घनत्व, जनसंख्या वृद्धि ग्रामीण–नगरीय जनसंख्या, जन्म दर मृत्यु दर, प्रवास, सभी को शामिल किया जाता है। साथ ही साक्षरता दर व्यवसायिक संरचना, ग्रामीण–नगरीय जनसंख्या आदि का भी अध्ययन को भी सम्मिलित किया जाता है।

ग्रामीण जनसंख्या और नगरीय जनसंख्या का वितरण जनसाख्यिकीय का महत्वपूर्ण अंग है। डेमोग्राफी जनसांख्यिकीय शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग फ्रांसीसी विद्वान आइले गुइलार्ड द्वारा 1856 में अपनी पुस्तक "Elements destiatique human on demographic component" में किया गया, लेकिन इसे एक विशिष्ट एवं स्वतंत्र विज्ञान के रूप में नीव इंगलैंड के विद्वान जॉन ग्रांट ने 1662 रखी। जॉन ग्रांट ने 1662 में अपनी महत्वपूर्ण कृति जिसका नाम "Nature and political observation made upon the bills of morality"

आइले गुइलार्ड के अनुसार "यह जनसंख्या की सामान्य गति और भौतिक, सामाजिक तथा बौद्धिक दशाओं का गणितीय विज्ञान है।"

बेंजामिन, बी के अनुसार "जनसांख्यिकी सामूहिक रूप में मानव जनसंख्या की वृद्धि, विकास तथा गतिशीलता से संबंधित अध्ययन है।"

ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की जनसंख्या वास्तव में भौगोलिक आधार पर विभाजन होता है। ग्रामीण क्षेत्र शहरों के बाहर स्थित भौगोलिक परिदृश्य है जबकि शहरी क्षेत्र की जनसंख्या कस्बा, शहर और उपनगर में शामिल होता है। ग्रामीण क्षेत्रों/प्रदेशों में जनसंख्या का वितरण और घनत्व काफी कम होता है जबकि शहरी क्षेत्र/प्रदेशों में जनसंख्या का वितरण और घनत्व अधिक होता है। ग्रामीण और शहरी जनसंख्या का वितरण सुविधाओं सामाजिक और भौतिक वातावरण, जनसंख्या घनत्व, श्रमशक्ति आदि के आधार पर विभक्त किया जाता है।

झारखण्ड के जनगणना निदेशालय द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2011 में हजारीबाग जिले की जनसंख्या 173495 थी जिनमें पुरुष 890889 और महिला 843614 थी। 2001 के जनसंख्या की तुलना में 25.75 प्रतिशत की परिवर्तन देखा गया। जबकि 1991–2001 में जनसंख्या वितरण में 26.13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

तालिका 1: वर्ष 2011 में हजारीबाग जिला का ग्रामीण शहरी जनसंख्या का वितरण

क्रम संख्या		ग्रामीण	शहरी	कुल
1	क्षेत्रफल	3460.80 वर्ग कि.मी.	94.20 वर्ग किमी.	355500 वर्ग किमी.
2	गृहस्थों की संख्या	255451	49298	304749
3	कुल जनसंख्या	1459186	275307	1734495
4	0–6 आयु वर्ग	246642	35221	281803
5	अनुसूचित जाति	272868	30647	303515
6	अनुसूचित जनजाति	107553	14215	121768
7	साक्षरता –	808009	205240	1013249
8	कुल श्रमिक	578620	76016	654636

*(**स्त्रोत**: जिला सांख्यिकीय विभाग, हजारीबाग)*

उपरोक्त आकड़ों के आधार पर स्पष्ट होता है कि हजारीबाग जिला में ग्रामीण–नगरीय जनसंख्या के सभी

पक्षों का अध्ययन महत्वपूर्ण हो जाता है। इसमें कुल गृहस्थी कुल जनसंख्या, आयु वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, साक्षरता, कुल श्रमिक, सीमांत अमिक आदि साथ ही इनके महिला एवं पुरुष की जनसंख्या का अध्ययन महत्वपूर्ण है।

विषय वस्तु की अद्यतन स्थिति

जनसंख्या किसी विशिष्ट क्षेत्र में निवास करने वाले जीवो मुख्यतः लोगों का समूह है जिसकी उत्पत्ति प्रजनन से होती है और वितरण जन्म दर मृत्यु दर व प्रवास से निर्धारित होता है। वर्तमान में जनसंख्या 8.2 अब से अधिक हो गई है जिसका मूल कारण स्वास्थ्य के सुधार है। ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या, जनसंख्या का एक प्रमुख घटक हैं जनसंख्या का वितरण भौतिक कारक, आर्थिक कारक, सामाजिक व सांस्कृतिक कारकों द्वारा प्रभावित होता है ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या का निर्धारण मानवीय क्रियाकलापों द्वारा स्पष्ट होता है। इसके संदर्भ में विभिन्न स्थानीय विद्वानों के अध्ययनों से स्पष्ट हो जाता है

अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर की समीक्षा के उपरांत स्थानीय स्तर पर समीक्षा आवश्यक है। प्रस्तुत अध्ययन के संदर्भ में स्थानिक समीक्षा निम्नलिखित हैः

निगम, बी. (2011) झारखण्ड में राजमहल हाइलैंड में जनजातियों की बदलती साक्षरता दर का अध्ययन किया। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य राजमहल हाइलैंड में जनजातियों की बदलती साक्षरता दर का विश्लेषण करना है। अध्ययन 2001 एवं 2011 के जनसंख्या आंकड़ों पर आधारित है।

महाराथन, अरूप (2004) ने अपनी पत्रिका "Demography of Tribal population in Jharkhand 1951-1991" के संदर्भ में कहा गया कि स्वतंत्रता के बाद से झारखण्ड की जनजातीय आबादी ने लगातार गैर–आदिवासी समूहों की तुलना में धीमी जनसंख्या वृद्धि का अनुभव किया। इस पत्र में यह निष्कर्ष लिया गया है कि प्रवासी श्रमिकों की मांग में धीरे–धीरे कमी विस्थापन आजीविका स्वरूप में व्यवधान, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य सेवाओं की दुर्गमता ने आदिवासियों को नुकसान में डाला है।

सिंह, अनिल कुमार (2017) ने अपनी शोध प्रबंध ''Spatia-Temporal Analysis of Demographic Structure in the Bokaro District, Jharkhand in Geographical Analysis, " में जनसांख्यिकीय चर, वितरण और घनत्व का अध्ययन किया गया है। इसमें यह अध्ययन का प्रयास किया गया है कि किस प्रकार इतिहास के संदर्भ में जनसंख्या की संरचना स्थानिक विश्लेषण और जनसांख्यिकीय समस्या का अध्ययन किया गया है।

दास, सुबोध कुमार (2019) ने अपनी शोध प्रबंध "झारखण्ड में चतरा जिले की जनांकिकी संरचना का स्थानिक कालिक भिन्नता का एक भौगोलिक विश्लेषण" में झारखण्ड में चतरा जिले में जनसांखिकीय में हो रहे बदलाव का अध्ययन किया गया है। इसका मुख्य निष्कर्ष यह है कि विगत दशकों में जनसंख्या की आयु, लिंग, जनसंख्या वितरण, लिंग अनुपात, अनुसूचित जाति, जनजाति की जनसंख्या में किस प्रकार का परिवर्तन हुआ है।

अध्ययन क्षेत्र

हजारीबाग जिला जो 23036'43'' से 2403'44'' उ'. अक्षांश और 85019'' से 85055'22'' पूर्वी देशांतर के बीच स्थित है। वर्तमान जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 4313 वर्ग कि.मी. है। इस जिला का मुख्य नगरीय क्षेत्र हजारीबाग है। इस जिला के स्थिति को देखा जाए 2011 के जनगणना के अनुसार यहाँ की कुल जनसंख्या 1734495 है जिसमे ग्रामीण जनसंख्या 1459188 एवं शहरी जनसंख्या 375307 है। इस क्षेत्र में अनुसूचित जाति 903515 जनजाति 121766 की संख्या निर्भर रहती है। इस जिले को 16 प्रशासनिक प्रखंडों में विभाजित किया जाता है जिसमे सदर टाटी झरिया, बरही, चलकुशा, कटकमसांडी, कटकमदाग, दारू, विष्णुगढ़, बडकागांव, करेडारी, इचाक, चौपारण, बरकट्ठा, पदमा, चुरचु, दाड़ी शामिल हैं। बरही अनुमंडल में बरही, चौपारण, बरकट्ठा, पदमा और चलकुसा शामिल है। गिरिडीह और चतरा अविभाजित बिहार राज्य में सदर कोडरमा आदि अनुमंडल हजारीबाग जिले के थे। उस समय हजारीबाग बिहार के सबसे बड़े जिले के रूप में था लेकिन 1982 में गिरिडीह 1991 में चतरा और 1994

में कोडरमा अनुमंडल को हजारीबाग से अलग कर दिया गया तथा जिला घोषित किया गया। 15 नवम्बर 2000 को आरखण्ड राज्य के गठन के बाद हजारीबाग जिले के तहत रामगढ़ उपखंड को 12 सितम्बर 2006 को एक अलग जिले के रूप में पहचाना गया। वर्तमान में क्षेत्रफल 5994.64 वर्ग किमी. है। इस क्षेत्र में 206 वर्ग किमी. (34.61 प्रतिशत) वनों से अच्छादित है। जिले में कुल 25906 पंचायत, 1335 गाँव, 1626 आँगनवाड़ी तथा 140 स्वास्थ्य उपकेन्द्र है।

प्राखण्डवार हजारीबाग का मानचित्र

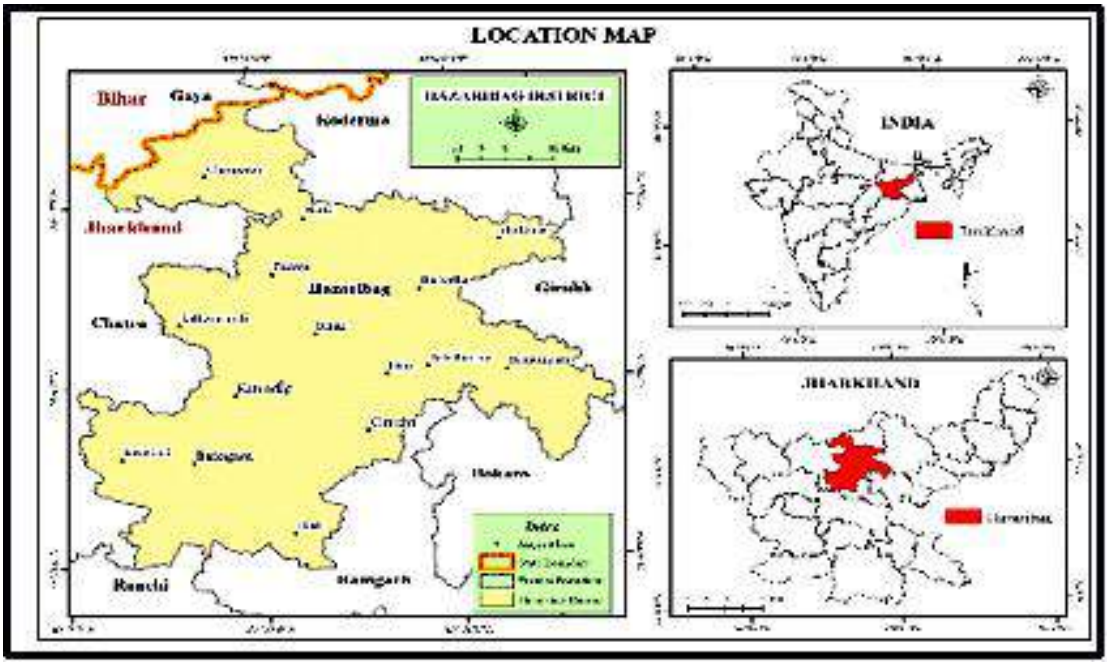

*(**स्त्रोतः** हजारीबाग जिला प्रशासन, हजारीबाग)*

*(**स्त्रोतः** हजारीबाग जिला प्रशासन, हजारीबाग)*

शोध–उद्देश्य

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य इस प्रकारः

1. अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या के विशेषताओं के आधार पर वर्तमान स्वरूप का अध्ययन करना।
2. ग्रामीण–शहरी जनसंख्या के स्थानिक एवं कालिक वितरण प्रतिरूप का विश्लेषण करना।
3. ग्रामीण शहरी जनसंख्या के सामाजिक आर्थिक प्रभाव का अध्ययन करना।
4. ग्रामीण शहरी जनसंख्या वितरण के प्रभावों से उत्पन्न समस्याओं को जानना।

शोध विधियाँ

प्रस्तुत शोध आलेख कार्य को पूरा करने के लिए प्राथमिक ऑकडे एवम द्वितीयक ऑकड़े एकत्रित किए जाएंगे। अध्ययन क्षेत्र में आँकड़ो के संकलन एवं विश्लेषण निम्नलिखित आधारों पर किये जाएंगेः

प्राथमिक आँकड़ों के प्राप्ति स्रोतः प्रत्यक्ष अवलोकन साक्षात्कार विधि अनुसूची विधि इत्यादि।

द्वितीयक आकड़े के प्राप्ति स्रोतः अर्थशास्त्र एवं साख्यिकी निदेशालय, जिला हैन्डबुक हजारीबाग, झारखंड सरकार, ग्रामीण विकास मंत्रालय, झारखंड सरकार की आर्थिक सर्वेक्षण एवं समाचार पत्र, प्रकाशित और अप्रकाशित जनरल एवं शोध प्रबंध पुस्तक, जिला गजेटियर आदि।

सांख्यिकी तकनीकीः माध्य, माध्यिका, प्रतिदर्श विधि एवं अन्य तथा इस शोध कार्य को वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक विधि के माध्यम से पूर्ण किया गया है।

हजारीबाग जिला विश्लेषण

हजारीबाग जिला

जनसंख्या (2011) झारखंड के जनगणना संचालन निदेशालय ने हजारीबाग जिले की 2011 की आधिकारिक जनगणना का विवरण जारी किया है। हजारीबाग जिले में जनगणना अधिकारियों द्वारा प्रमुख व्यक्तियों की गणना भी की गई। 2011 में हजारीबाग की जनसंख्या 1,734,495 थी, जिसमें पुरुष 890,881 और महिलाएं 843,614 थीं। 2001 की जनगणना में हजारीबाग की जनसंख्या 1,437,626 थी, जिसमें पुरुष 723,626 और शेष 714,000 महिलाएं थीं। हजारीबाग जिले की जनसंख्या महाराष्ट्र की कुल जनसंख्या का 5.26 प्रतिशत थी। 2001 की जनगणना में हजारीबाग जिले की जनसंख्या महाराष्ट्र की कुल जनसंख्या का 5.34 प्रतिशत थी। 2001 की जनसंख्या की तुलना में जनसंख्या में 20.65 प्रतिशत का परिवर्तन हुआ। भारत की पिछली जनगणना 2001 में, हजारीबाग जिले की जनसंख्या में 1991 की तुलना में 26.13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।

हजारीबाग साक्षरता दरः 2011 में हजारीबाग की औसत साक्षरता दर 69.75 थी, जबकि 2001 में भी यह 69.75 थी। लिंग के आधार पर देखें तो पुरुष और महिला साक्षरता क्रमशः 80.01 और 58.95 थी। 2001 की जनगणना के अनुसार, हजारीबाग जिले में यही आंकड़े 71.83 और 42.87 थे। हजारीबाग जिले में कुल साक्षर लोगों की संख्या 1,013,249 थी, जिनमें पुरुष और महिला क्रमशः 596,113 और 417,136 थे। 2001 में हजारीबाग जिले की जनसंख्या 675,463 थी।

हजारीबाग लिंग अनुपात

हजारीबाग में लिंग अनुपात 1000 पुरुषों पर 947 है, 2001 की जनगणना में यह आंकड़ा 987 था। जनगणना 2011 निदेशालय की नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, भारत में राष्ट्रीय औसत लिंग अनुपात 940 है। 2011 की जनगणना में, बाल लिंग अनुपात 1000 लड़कों पर 933 लड़कियां हैं, जबकि 2001 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार यह आंकड़ा 1000 लड़कों पर 972 लड़कियां थी।

तालिका 2: हजारीबाग जिले का धर्म संबंधी आंकड़े

विवरण	प्रतिशत	जनसंख्या 2011
हिन्दू	80.56%	1,397,227
मुस्लिम	16.21%	281,247

*(**स्त्रोत**: जिला सांख्यिकीय विभाग, हजारीबाग)*

तालिका 3: हजारीबाग जिला की जनसंख्या, 2011–2001

विवरण	2011	2001
जनसंख्या	17.34 लाख	14.38 लाख
वास्तविक जनसंख्या	1,734,495	1,437,626
पुरुष	890,881	723,626
महिला	834,614	714,626
जनसंख्या वृद्धि	20.65%	26.13%
क्षेत्रफल वर्ग किमी	3,555	4,302
घनत्व / किमी^{2}	488	334
झारखण्ड की जनसंख्या के अनुपात में	5.26%	5.34%
लिंगानुपात (प्रति 1000)	947	987
बाल लिंगानुपात (0–6 आयु)	933	972
औसत साक्षरता	69.75	57.75
पुरुष साक्षरता	80.01	71.83
महिला साक्षरता	58.95	42.87
कुल बाल जनसंख्या (0–6 आयु)	281,863	267,969

*(**स्त्रोत**: जिला सांख्यिकीय विभाग, हजारीबाग)*

हजारीबाग जिला की बाल जनसंख्या

जनगणना में, हजारीबाग सहित सभी जिलों के लिए 0–6 आयु वर्ग के बच्चों से संबंधित आंकड़े भी एकत्र किए गए थे। 2001 की जनगणना के 267,969 बच्चों की तुलना में 0–6 आयु वर्ग के कुल 281,863 बच्चे थे। कुल 281,863 बच्चों में से 145,821 लड़के और 136,042 लड़कियां थीं। 2011 की जनगणना के अनुसार बाल लिंग अनुपात 933 था, जबकि 2001 की जनगणना में यह 972 था। 2011 में, हजारीबाग जिले में 0–6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या 16.25 प्रतिशत थी, जबकि 2001 में यह 18.64 प्रतिशत थी। भारत की पिछली जनगणना की तुलना में इसमें 2.39 प्रतिशत का शुद्ध परिवर्तन हुआ।

हजारीबाग बेघर डेटा

2011 में, झारखंड के हजारीबाग जिले में कुल 122 परिवार फुटपाथ पर या बिना छत के रहते हैं। जनगणना 2011 के समय बिना छत के रहने वाले सभी लोगों की कुल जनसंख्या 522 है। यह हजारीबाग जिले की कुल जनसंख्या का लगभग 0.030095215033771: है।

हजारीबाग जिले का घनत्व

जनगणना भारत 2011 द्वारा जारी प्रारंभिक अनंतिम आंकड़ों से पता चलता है कि 2011 में हजारीबाग जिले का घनत्व 488 लोग प्रति वर्ग किलोमीटर था। 2001 में, हजारीबाग जिले का घनत्व 334 लोग प्रति वर्ग किलोमीटर था। हजारीबाग जिला 3,555 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का प्रशासन करता है।

हजारीबाग जिला शहरी / ग्रामीण 2011 – 2011 की जनगणना के अनुसार हजारीबाग की कुल संख्या में से 15.87 प्रतिशत लोग जिले के शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। शहरी क्षेत्रों में कुल 275,307 लोग रहते हैं, जिनमें से 143,947

पुरुष और 131,360 महिलाएं हैं। 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार हजारीबाग जिले के शहरी क्षेत्र में लिंग अनुपात 913 है। इसी प्रकार, 2011 की जनगणना में हजारीबाग जिले का बाल लिंग अनुपात 919 था। शहरी क्षेत्र में बाल जनसंख्या (0–6 वर्ष) 35,221 थी, जिनमें से 18,354 लड़के और 16,867 लड़कियां थीं। हजारीबाग जिले की यह बाल जनसंख्या कुल शहरी जनसंख्या का 12.75ः है। 2011 की जनगणना के अनुसार हजारीबाग जिले की औसत साक्षरता दर 85.49 प्रतिशत है, जिसमें पुरुष 90.59 प्रतिशत और महिलाएं 79.89 प्रतिशत साक्षर हैं। शहरी क्षेत्र में वास्तविक रूप से 205,240 लोग साक्षर हैं, जिनमें से 113,777 पुरुष और 91,463 महिलाएं हैं।

2011 की जनगणना के अनुसार, हजारीबाग जिले की 84.13 प्रतिशत आबादी ग्रामीण गांवों में रहती है। हजारीबाग जिले की ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली कुल आबादी 1,459,188 है, जिनमें से 746,934 पुरुष और 712,254 महिलाएं हैं। हजारीबाग जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लिंग अनुपात 1000 पुरुषों पर 954 महिलाएं हैं। यदि हजारीबाग जिले के बाल लिंग अनुपात के आंकड़ों पर विचार किया जाए, तो यह आंकड़ा 1000 लड़कों पर 935 लड़कियां है। ग्रामीण क्षेत्रों में 0–6 आयु वर्ग के बच्चों की आबादी 246,642 है, जिनमें से 127,467 लड़के और 119,175 लड़कियां हैं। हजारीबाग जिले की कुल ग्रामीण जनसंख्या में बच्चों की संख्या 17.07 प्रतिशत है। 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, हजारीबाग जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता दर 66.64 प्रतिशत है। लिंग के आधार पर, पुरुष और महिला साक्षरता दर क्रमशः 77.86 प्रतिशत और 54.91 प्रतिशत रही। कुल मिलाकर, 808,009 लोग साक्षर थे, जिनमें से पुरुष 482,336 और महिलाएं 673 थीं।

तालिका 1.4: हजारीबाग जिले की ग्रामीण एवं शहरी जनसंख्या की विवरण, 2011

विवरण	ग्रामीण	शहरी
जनसंख्या	84.13%	15.87%
कुल जनसंख्या	1,459,188	275,307
पुरुष जनसंख्या	746,934	143,947
महिला जनसंख्या	712,254	131,360
लिंगानुपात	954	913
बाल लिंगानुपात (0–6 आयु)	935	919
बाल जनसंख्या (0–6 आयु)	246,642	35,221
पुरुष बच्चे (0–6 आयु)	127,467	18,354
महिला शिशु (0–6 आयु)	119,175	16,867
बच्चों का प्रतिशत (0–6 आयु)	16.90%	12.79 %
लड़कों का प्रतिशत	17.07%	12.75%
महिला शिशु प्रतिशत	16.73%	12.84%
साक्षर	808,009	205,240
पुरूष साक्षरता	482,336	113,777
महिला साक्षर	325,673	91,463

*(**स्त्रोतः** जिला सांख्यिकीय विभाग, हजारीबाग)*

अध्ययन का महत्व

इस अध्ययन में ग्रामीण–शहरी जनसंख्या के वितरण का अध्ययन शामिल किया जाएगा। इसके महत्व से इसकी विश्वसनीयता को जाना जा सकता है।

इस अध्ययन के महत्व को निम्न रूपों से देख सकते हैं –जनसंख्या की संरचना का अध्ययन करना, जनसंख्या का आकार जो परिमाणात्मक व्यवस्था करता है, जनसंख्या की संरचना से गुणात्मक विश्लेषण समय हो पाता है, इस अध्ययन से हमें उस स्थान विशेष के जनसंख्या की विशेषताओं को स्पष्ट जानकारी हो पाती है। जनसंख्या समाज की ईकाई है जो सामाजिक एवं व्यक्तिगत दोनों दृष्टिकोण से इसका ज्ञान उपयोगी है। जनांकिकी

समाजशास्त्री की एक शाखा के रूप में जनसंख्या उससे जुड़े सामाजिक, आर्थिक पक्ष और उनके प्रभावों का अध्ययन करता है। जनसांख्यिकीय वह विज्ञान है जिसमें मानव जनसंख्या के अध्ययन में सांख्यिकीय पद्धति का प्रयोग किया जाता है।

परिणाम व सुझाव

जनसंख्या का निरंतर गुणोत्तर क्रम में वृद्धि के परिणामस्वरुप जनाधिक्य की परिस्थितियाँ उत्पन्न होती है। परिणामतः लोगों के अवसरों में कमी, जीवन स्तर में गिरावट, सामाजिक आर्थिक गिरावट स्पष्टतः देखी जाती है, परंतु जनसंख्या के संतुलन स्थिति व नियंत्रण के स्थिति में सकारात्मक प्रभाव दृष्टिगत होते हैं। ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या का वृद्धि सामाजिक व आर्थिक गतिविधियों में उतार–चढ़ाव का अहम कारक है। जनसंख्या का संतुलन होने या स्थिर रखने हेतु लोगों में जागरूकता, शिक्षा का प्रसार, सरकारी नीतियाँ यथा– परिवार नियोजन, छोटा परिवार सुखी परिवार के प्रति लोगों को जागरूक करके जनसंख्या नियंत्रित व संतुलित करके जनसंख्या के सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों में वृद्धि करके सकारात्मक परिणाम प्राप्त किया जा सकता है।

निष्कर्ष

इस अध्ययन से यह स्पष्ट पता चल पाएगा कि हजारीबाग जिले के ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या के मध्य असमानताओं जैसे – साक्षरता, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, व्यावसायिक संरचनाओं में साम्यता परिलक्षित हो, जनसंख्या के मानव विकास मूल्यों में उत्तरोत्तर वृद्धि परिलक्षित हो, ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या के मध्य के पारस्परिक अन्तरों को कम करते हुए मानव विकास सूचकांक मानकों में बेहतर की परिस्थितियाँ दृष्टिगोचर होना अति उपयुक्त संकेतक है। 21वीं सदी में मानवीय क्रियाकलापों में सृजनात्मक कौशल विकास व उद्यमिता अति आवश्यक है।

संदर्भ सूची

1. सिंह, एस. के. (2019) *समकालीन अनुसंधान पद्धति और इसके अनुप्रयोग,* राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सिंह, एस. के. (2019) *झारखण्ड प्रदेश की भौगोलिक व्याख्या,* राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. दास, सुबोध कुमार (2019) *झारखण्ड में चतरा जिले की जनांकिकी संरचना का स्थानिक कालिक भिन्नता का भौगोलिक विश्लेषण,* राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. तिवारी, आर के (2017) *झारखण्ड का भूगोल,* राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. मौर्य, एस. डी. (2010) *जनसंख्या भूगोल,* शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
6. सिन्हा, बी. एन. पी. और सिंह, एल. के. पी. (2003) *झारखण्ड भूमि और लोग,* राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. कौर जी. (1998) *एक्सन भूगोल,* अनमोल प्रकाशन प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली।
8. बनर्जी, एम. (1977) सिंहभूम जिलाः बिहार में लिंग अनुपात का प्रतिरूप, *भारत की भौगोलिक समीक्षा,* 39(1), 30–38।
9. Agrawal, A.N (1977) *Indian's Population Problem,* Mc Graw Hill, New Delhi, Age-group Structure in Uttar Pradesh; geographer, Vol. 16, 1969 pp.27-40.
10. Agarwala, S. N. (1985) Method of Estimating Decode international migration cities for Indian census data, *Indian Economic Review,* 4(1), 213-214.
11. Bhatt, S.C. (2002) *The District Gazetteer of Jharkhand,* Gyan Publication House, New Delhi.
12. Chandna, RC. (1994) *A Geography of population,* Kalyani Publishers, New Delhi.
13. Ravenstein, E. (1889) The Laws of Migration. *Journal of Royal Statistical Society,* Vol.49, p.241-305.
14. Singh, Anil Kumar (2017) *TemporalAnalysis of Demography Structure in the Bokaro district, Jharkhand :A GeographicalAnalysis.* Rajesh Publication, New Delhi.

––==00==––